सुनो जी मेरी सालासर हनुमान

मेरी बात बिगड़ती जावे कुछ नही समज में आवे,
हो रहा सु बहुत घना परेशान,
सुनो जी मेरी सालासर हनुमान सुनो जी मेरी बजरंगी बल वान,

दुनिया में घनी ठोकर खा के बेठासुने घर लुटवा के,
बेठा संकट पंख फेला के किसने दर्द सुनाऊ मैं जा के,
जान मेरी हो रही घनी वीरान,
सुनो जी मेरी सालासर हनुमान सुनो जी मेरी बजरंगी बल वान,

ऐह बाबा बिगड़ी बात बना दे,मेरा बेडा पार लगा दे,
इब तो अपनी गधा घुमादे संकट ने बाबा धुल चटा दे,
बचा ले अब ने भगत के प्राण,
सुनो जी मेरी सालासर हनुमान सुनो जी मेरी बजरंगी बल वान,

चांदी की तेरी गधा चड़ा दू सवा मनी का भोग लगा दू,
देसी घी के लड्दुआ का बाबा तेरा मैं परशाद बना दू,
बात का कर दे रे समा दान,
सुनो जी मेरी सालासर हनुमान सुनो जी मेरी बजरंगी बल वान,

दुनिया में तेरा खेल निराला खोल दे बंद किस्मत का ताला
विक्की कैथल शेहरे वाला तेरी रटता रहता माला,
गिरी का भी कर ले कुछ ध्यान,
सुनो जी मेरी सालासर हनुमान सुनो जी मेरी बजरंगी बल वान,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15639/title/suno-ji-meri-salasar-hanumaan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |